Sahaja Yoga Central Committee of India
(Formed as per instructions given on July 20, 2008 by Mataji Shree Nirmala Devi, after Guru Puja)

Her Holiness Mataji Shree Nirmala Devi
(Founder of Sahaja Yoga)

communications@syccindia.org www.syccindia.org

प्रिय अश्विनी चुघ,

जय श्री माताजी,

यह आपके (दिल्ली राज्य समन्वयक के रूप में हस्ताक्षरित) 15 मई के पत्र को संदर्भित करता है, जो भारत की सहज योग केन्द्रीय समिती (SYCCI) को सम्बोधित है, जिसमें एस.वाई.सी.सी.आई. को सूचित किया गया है कि एल.ई.टी. दिल्ली (LET Delhi) ने एकतरफा रूप से खुद को एस.वाई.सी.सी.आई. से अलग करने का निर्णय लिया है। इस स्पष्ट रूप से की गई मनमानी और अनैतिक घोषणा से एस.वाई.सी.सी.आई. हैरान और निराश है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप सभी को यह अहसास होना चाहिए कि दिल्ली सामूहिकता का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाला आपका यह मनमाना और अनैतिक निर्णय, एस.वाई.सी.सी.आई. की स्थापना के लिए श्री माताजी के स्पष्ट निर्देशों का पूर्ण उल्लंघन है। श्री माताजी के निर्देशों के इस तरह के खुले और प्रत्यक्ष खण्डन के साथ, क्या आप भी अपने आप को उनके अनुयायी कहलाने के लायक मानते हैं? उनके बच्चों की तो बात ही छोड़ दें जिनके आध्यात्मिक जन्म और विकास के लिए, उन्होंने अपने पूरे साकार जीवन में निस्वार्थ और अथक परिश्रम किया।

हम चाहते हैं कि आप दिल्ली सामूहिकता को समझाऐं कि श्री माताजी के स्पष्ट निर्देशों (आदेश) की अवज्ञा करने की क्या मजबूरी थी?

आपका मनमाना निर्णय किसी ट्रस्ट को चलाने की सभी अपेक्षित संहिता का भी पूर्ण उल्लंघन है, श्री माताजी द्वारा स्थापित एक ट्रस्ट की तो बात ही छोड़ दें।

उदाहरण के तौर पर, क्या आपने यह अधार्मिक निर्णय लेने से पहले किसी भी समय दिल्ली/एन.सी.आर. सामूहिकता से परामर्श किया था?

क्या इस निर्णय पर चर्चा के लिए एल.ई.टी. दिल्ली की औपचारिक बैठक बुलाई गई थी? क्या बैठक के लिए कोई नोटिस दिया गया था? ऐसी बैठक में कौन–कौन उपस्थित थे?

क्या एल.ई.टी. दिल्ली को एस.वाई.सी.सी.आई. से अलग करने के प्रस्ताव को ऐसी बैठक में उपस्थित अधिकांश ट्रस्टियों के द्वारा अनुमोदित किया गया था? स्पष्टतः न तो ऐसी कोई बैठक कभी बुलाई गई और न ही कोई प्रस्ताव पारित किया गया।

मनमाने ढंग से एस.वाई.सी.सी.आई. को निर्णय के बारे में सूचित करने के पश्चात, क्या सामूहिकता को भी इसके बारे में सूचित किया गया था? हमें विश्वास नहीं है। अन्यथा कृपया हमें वह तारीख बताएं जिस दिन यह किया गया था।

आप सभी यह अच्छी तरह से जानते हैं कि दुनिया भर के सभी ट्रस्टों के कामकाज की निगरानी के लिए श्री माताजी द्वारा दो केन्द्रीय समितियाँ (CCs) बनाई गई थी। इसलिए आप सभी ट्रस्टियों को सार्वजनिक तौर पर इसका जवाब देना होगा।

निश्चित रुप से श्री माताजी के प्रति आपके सम्मान की कमी, 21 जुलाई 2024 को निर्मल धाम में श्री गुरु पूजा के अवसर पर कल्पना दीदी के आपके सामूहिक अनादर में पूरी तरह से सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित हुई थी। यह श्री माताजी के अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ प्रासंगिक प्रोटोकॉल बनाए रखने और उचित सम्मान देने के निर्देशों का पूर्ण उल्लंघन और अव्हेलना थी। यह एस.वाई.सी.सी.आई. को पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

हमारे सामूहिक विचार में, आप सभी को अब ट्रस्टी बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वास्तव में आपके वर्तमान व्यवहार को देखते हुए, जैसा कि ऊपर बताया गया है, आप सभी ने सहज योगी माने जाने के सभी अधिकार खो दिए हैं।

इसलिए, एस.वाई.सी.सी.आई. अब न केवल आपके इस्तीफे की माँग करता है, बल्कि यह भी चाहेगा कि **आप तथा इस निर्णय में शामिल सभी लोग, आगामी सूचना तक, सहज योग सामूहिकता से दूर रहें।** आशा है कि इससे आपको आत्मनिरीक्षण करने और श्री माताजी के स्पष्ट निर्देशों का सम्मान करने और उनके परिवार के सदस्यों का सम्मान करने के लिए पर्याप्त चिन्तन का समय मिलेगा।

हम चाहेंगे कि आप इस संदेश को एल.ई.टी. दिल्ली के सभी ट्रस्टियों और दिल्ली की सामूहिकता के साथ साझा करें। सामूहिक रुप से निर्णय लें कि क्या वह एल.ई.टी. दिल्ली का संचालन उन लोगों को सौंपेंगे जिन्होंने सहज योग और निर्मल धाम को शर्मसार किया है।

हार्दिक सम्मान के साथ,

Sudarshan Sharma

सुदर्शन शर्मा
समन्वयक

भारत की सहज योग केन्द्रीय समिती की ओर से।

दिनांकः 29 जुलाई 2024